

3530

3530

ASHA ARCHIVES

200

विभूषित रत्नावलि वि

१ विहगिज्ञानय॥ नहिगि॥ यदंमन्यासय
॥ खवया, लाहगस, विहगिय॥ ॥ लखनझय
थमन॥ ॐ अजयतिहसम, थजयतिहसम
अगतिजिहस, वायुजिहस, श्यामवृत्ति
हसम, सर्वहसमायनम॥ ॥ यदंमन्या
य॥ थमन्याय॥ ॥ ॐ अजयतिहसम, थजयतिहसम ॥ ॥

लो लो कं हं हौं ह ॥ ॥ दू उ स नै यः स दानि वा
 ये नमः ॥ ॥ दू स ग म नै यः वृ द्ध (ल) त मः ॥
 ग व यो म सः ती व कं अ य न मः ॥ ॥ नू ग व सः हं
 यो वा ह ना य न मः ॥ ॥ यो ग सः दे व दं ब्रा ह्म य न मः
 ॥ ॥ नै दू सः स क न्दा य न मः ॥ ॥ ऊ व या न क या
 स नै यः वृ णी न्दा य न मः ॥ ॥ वू न्मा सः अ दि या

यनम॥ ॥ कायलासः सोमायनम॥ ॥ खट्वा
नक यास नयः वोमं देवायनम॥ ॥ चूआसः
युर्न जनायनम॥ ॥ कायलासः वसंतं नमः॥
॥ ॥ इव वै कसः रुतायनम॥ ॥ खव वै क
सः शिवायनम॥ ॥ इव थिसः काजीनी नूदा
यनम॥ ॥ ऊज नलिस नखसंतयः वूरी इव जा

यनम॥ ॥ इव सयतस नखसंत नूदायनमः॥
॥ ॥ मिखा नखसंतः दक्षिणमूयनम॥ ॥ च
सा दलसंतयः च नूतं सवजायनम॥ ॥ समः
संत थयि कयि यायः श्री महा देवायनमः॥
॥ धनं देव नृत्यनः प्रित्त नृत्य नृत्य मालक

नमः ॥ ॐ नमो विष्णु नमो विष्णु नमो विष्णु नमो विष्णु ॥





[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



ॐ नमः शिवाय ॥

[illegible]

॥ नैकां सोऽ ॥ आत्मयूयानमः ॥ ब्रह्मदकाय ॥ ॥ यमय
मीडाथमाक्रमदरुदा ॥ ॥ दि० यूजायाय ॥ विंकाधीया
० दवगाथानमः ॥ नै आध्वनकि कमलासनयनमः ॥
वक्त्रधनासनायनमः ॥ विष्णुधनासनायनमः ॥ ब्रह्मधना
सनायनमः ॥ ०० धनधनासनायनमः ॥ ००० दानिवध
नासनायनमः ॥ ॥ मर्त्तगन्थासनाय ॥ कनकविकामूजा

मम्रावाहन॥ महासमयनारुहे कावक्षानन्दवियहो जग
 मयसहिनेमामक्षु कुहियममध्वनी॥ गिरवक्षुमदान
 प्यानयाकावक्षुना॥ वा नके मधुलारुमां यववादी विलाव
 नां। याभी कृष्णवाक्षुदी धानयिनिर्दिष्ट उ॥ यवधिया
 वगया॥ यवधिरुकिमनरु यविवावसमन्वता यावत्तुं वृज
 यिका मिना वत्तुं सुक्किवारुव॥ दानयतिष्ठ॥ श्रीकृष्ण

॥ श्रीवाहन॥ श्री महाविष्णुनमस्तु नमो ह्यगच्छ २०० ह
 निष्ठ २ श्रीमतीनिधीवारुव॥ कर्त्तव्य॥ ०० दमासं ननमः
 ॥ स्वागतं नमः॥ सनानयावक॥ वाद्यं नमः॥ नृद्यं नमः॥
 मधुलार्कं नमः॥ आयमनीयं नमः॥ स्रानं नमः॥ चन्दनं नमः
 ॥ वक्त्रं चन्दनं नमः॥ सिन्दूरं नमः॥ श्रुतं नमः॥ रुद्रा दः
 वि। नं नमः॥ चूर्णं नमः॥ धूपं नमः॥ दीपं नमः॥ नेचर्ष

नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥

यानि मन्त्रानि नमस्कृतानि ॥ ॥ श्री गुरु का व श्री गुरु व ध्याता

याव ॥ शिवायु लि ॥ नमः॥ श्री कामधेनादि ध्याता ध्याता निरुद्धः

धीयादू का व श्री गुरु या मि नमः॥ नमः॥ श्री ध्याता नमः॥

धीयादू का ॥ नमः॥ श्री ध्याता नमः॥ श्रीयादू का ॥ नमः॥ श्री

युद्धीयादू का ॥ नमः॥ श्री ध्याता नमः॥ श्रीयादू का ॥ ॥

मन्त्रिणः ३

॥ नमः॥ श्री युद्धीयादू का ॥ नमः॥ श्री ध्याता नमः॥

धीयादू का ॥ नमः॥ श्री ध्याता नमः॥ श्रीयादू का ॥

नमः॥ श्री ध्याता नमः॥ श्रीयादू का ॥ नमः॥ श्री

धीयादू का ॥ नमः॥ श्री ध्याता नमः॥ श्रीयादू का ॥

नमः॥ श्री ध्याता नमः॥ श्रीयादू का ॥ नमः॥ श्री

धीयादू का ॥ नमः॥ श्री ध्याता नमः॥ श्रीयादू का ॥

नमः॥ श्री ध्याता नमः॥ श्रीयादू का ॥ नमः॥ श्री

धीयादू का ॥ नमः॥ श्री ध्याता नमः॥ श्रीयादू का ॥

यनातिनरुस्यआगिनीधीजादूकां॥**वैंकीं धी**सर्वानन्दमय
विन्दवक्त्रनववक्त्रस्वयूयिनीधीमहाविद्यनमूनदीधीजा
दूकां॥**वैंकीं धी**जगावनायनिनरुस्यआगिनीगणसर्वत्र
कध्वनीधीमहाविद्यनमूनदीसर्वोयवात्रेष्टयूजिगान
विमल्लु॥नवमूद्राकन॥२॥॥**गिया कुलिधमनाका**
नदुय ३॥॥वाहिविया॥**वैंकीं धी**वावदूकायवलिगद
गा२

दु२स्वाहा॥**वैंकीं धी**यौआगिनीस्थावलिगददु२स्वाहा॥
वैंकीं धीकांकरुवालायवलिगददु२स्वाहा॥**वैंकीं धीः**
गैगणयदयवलिगददु२स्वाहा॥**वैंकीं धी**तुंकीं सर्ववि
द्यकृद्गु४सर्वरुर्गस्थावलिगददु२दूदु२स्वाहा॥**कस्व**
नमय॥मूलनविशमाल३॥**कस्वाननया॥**वदूकाया
४सुनासर्वे सर्वसिद्धि विधायन४ममलानिपूदिउदि

कोसोऽसर्वं त्वयि यन्निर्वह्य ध्यामि स्वाहा ॥ ३ ॥
नरायण न न कर्मात्मन भवती ॥ ॥ यय मूढान न स्मरन् ॥ दा
दो क्रीडंस्तु ॥ मूलमन व्योम ॥ ३ ॥ विनया गितो दूजा ॥ भक्ति
दूजा ॥ गत्य (धन ३) ॥ न्यासयाय ॥ दास सदा त्स्वान
कार्यं यस्मै यतयाय ॥ त्रैलोक्यी न स सर्वव्यापी तर्कवदु स्वा
हा ॥ ॥ ईश्वर कायाय ॥ साधू वासा वा कर्म यद्वादाय विनमसः
न स सर्वरूपवर्णव गृहाना मा धनं मम ॥ सर्वान मूढान वनि

विसर्जन ॥ गच्छ गच्छ य न क्लान्तं स्वस्त्वन्तं न भवती ॥ यत्तु
क्वा दया दत्ता न विदुः दानमदी ॥ दत्तं वलि (धाय ॥ स्वान क
काया वदुः ॥ दास सदा त्स्वान सदा दत्तं काय ॥ ॥ कृष्ण
यन्तया ॥ यन्तं दारव काय ॥ गंगा यस्त्वन्तं मया स यमू (गा
वती ॥ गमति यस्त्वन्तं न गया यया गवदली दानानसी सि स्थ
सूक्त्या सति स न स्व नी यरु निहि व क्क हुरा (धु दले गीर्थः

स्नानसकृत्प्रकाटिरुनदंष्ट्रीयकुसादादकं ॥ ॥ बहिवाम
॥ बहिसकताना ॥ नं निर्माल्यवासिने नमः ॥ ॥ सूर्यसाक्षि
या ॥ कौनिल्यकर्मसंयुक्तुनिमित्त्या (धनकनकर्मसाक्षिनी श्री
सूर्याय सूर्यसाक्षिने नमः ॥ सूर्ये नमः ॥ ॐ निमिषे ध्याः
मुसाया विनयिर्न सुकमयुगा दद्वेगिः समाकृष्टः ॥
सकृत् नरेण हासुष के सुसकमी कृष्णसंयुक्तं ॥ ॐ ॥

ॐ कौं सूर्याय नमः ॥ सूर्यया ॥ ॐ रुक्मिणि विष्णु वि
वेद्याया ॥ ३ ॥ गरुडाय ॥ ॐ कंस ॥ ३ ॥ निवया ॥ कौं क
मरुतयि काय रमादि जनवत्सराय स्वाहा ॥ ३ ॥ विष्णुया ॥
ॐ कौं सो ॥ ३ ॥ बाला ॥ कौं कौं कौं ॥ ३ ॥ दक्षदणी ॥
ॐ कौं ना अयद धी ॥ ३ ॥ ॐ उयय विनि यमदि वि
ॐ कंस दानक ॥ ३ ॥ मां कंस ॥ ३ ॥ सूर्य न स्वाहा ॥ ३ ॥ रुगवति ॥

[illegible]

थनास नानायाय॥ धूमिद्वय ॥ विहृतिप्रानयाय॥ मयवि
म१०॥ जंविद्युनादवीत्सरु, क्रीकामध्यवीधीषह, मो४तन्ना
भक्तिप्रवादयाग॥ ॥ धवतान विमुक्तयेव ॥ थनास्त्रया
ध्विया॥ ऊँऊँस४हीसूयाय श्रुत्येतम४॥ धर्ममेनानविधि॥
शूननिर्वहननिनीश्वरमधमान् भादीधकात्रयविद्यद्धितिर्माविदः श्री
कल्याणितदिममजीविदिकाठामो विष्टंइहामिवसूधादिनिवावसाने॥